वन महोत्सव

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

दिनांक 27-7-18 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर में पौधारोपण कर "वन महोत्सव" मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रघुवीर सिंह शेखावत , भा.व.से., अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, जोधपुर ने कहा कि वर्षा का आगमन हुआ जिसका उपयोग लेते हुए वन महोत्सव के रूप में शुरुआत की जा रही है तथा संस्थान परिसर में इस पौधारोपण के माध्यम से और जैव-विविधता जोड़ी जा रही है। श्री शेखावत ने कहा कि जहां भी जगह हो स्वयं एवं परिवार के सदस्य , सभी को पौधे लगाने चाहिए तथा इस कार्य हेतु दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए।

इस अवसर पर आफरी के निदेशक डॉ. इन्द्रदेव आर्य ने कहा कि हम लोग सब ऑक्सीजन लेते हैं तो हम अपने स्वयं के लिए पौधारोपण का कार्य करें । डॉ. आर्य ने सभी से अनुरोध किया कि अपने नाम से जरूर पौधा लगाएँ , जब आप उस पौधे को देखेंगे तो अच्छा लगेगा तथा पौधारोपण बड़ा शुभ कार्य होता है, हम सब इसमें सम्मिलित होवें तथा पौधा लगाएँ ।

संस्थान की समूह समन्वयक (शोध), डॉ. रंजना आर्या ने सभी से आहवान किया कि जो पौधा हम लगा रहे हैं , उस पर हमें ध्यान देना चाहिए कि पौधा ढंग से फल-फूल रहा है कि नहीं , पौधा पूरा पल्लवित हो इसके लिए भी हमें सचेत रहना चाहिए।

विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए वन महोत्सव एवं पौधरोपण कार्यक्रम की जानकारी दी ।

पौधा रोपण की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री रघुवीर सिंह शेखावत , निदेशक डॉ. इंद्रदेव आर्य , समूह समन्वयक (शोध), डॉ. रंजना आर्या ने बहेड़ा एवं चंदन के पौधे लगा कर की। पौधारोपण

कार्यक्रम में पुरातत्व विभाग के डॉ. वी. एस. वडीगेर, अधीक्षण पुरातत्वविद एवं वन विभाग के क्षेत्रीय वन अधिकारी श्री पुष्पेंद्र सिंह ने भी भाग लिया।

संस्थान के वैज्ञानिक/ अधिकारी/ कार्मिक एवं शोधार्थियों ने पौधारोपण कार्यक्रम में उत्साह से भाग लेकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। पौधारोपण कार्यक्रम में वन विभाग एवं पुरातत्व विभाग के कार्मिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर सुविधाएं एवं सेवाएँ प्रभाग एवं आफरी नर्सरी के सहयोग से अर्जुन , बहेड़ा, चन्दन, ढाक, इनरमी इत्यादि प्रजातियों के 115 पौधे रोपित किए गए।

कार्यक्रम आयोजन/व्यवस्था विस्तार प्रभाग के डॉ. बिलास सिंह , सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी द्वारा की गयी जिसमें श्री महीपाल विशनोई , तकनीकी अधिकारी , श्री धानाराम , तकनीकी अधिकारी, श्रीमती मीता सिंह तोमर, तकनीशियन एवं श्री तेजाराम का महती सहयोग रहा ।